†आभ्यन्तरबाह्यप्रयत्नज्ञानार्थकं कोष्ठकम्—

जान्यनारवाह्यप्रवयस्थानावक काठकम्													
आभ्यन्तर- प्रयत्नाः	स्पृष्टा:				ईषत्स्मृष्टाः			ईषद्विता:	विवृता:			संबृता:	
संज्ञा:	स्पर्शा:					अन्तःस्थाः		ऊष्माण:		स्वरा:			
वर्णा:	क च ट त प	ख छ ठ थ फ	म ज ७ द ब	ङ ज ण न म	घ इ इ इ ध भ	य व र ल		श ष स	ઝ	अ ऋ ओ	इ ल्	उ ए औ	ह्रस्वोऽकार: प्रयोगे
बाह्यप्रयता:	अ.प्रा.म.प्रा. विवाराः श्वासाः अघोषाः		अल्पप्राणाः संवाराः नादाः घोषाः		म.प्रा. संवारा: नादा: घोषा:	नादा:			ना.	उदात्तानुदात्तस्वरित			वरिता: